भजन

जिस पर अपनी मेहर मेहरबान करे
पिया के दिल की लीला वो ब्यान करे

1- रूह के नैनों पिया को देखें
सुने पिया की बात
मुख मीठी रसना से बोलें
पिया के दिल की बात
रस रसना के सुख सारे रूह दिल में भरे
2- जिनकी निसवत पिया के दिल से
वो खिलवत में रहती हैं
इश्क की लीला उन्हीं रूहों से
मारफत वो लेती हैं
उन्हीं के दिल को रोशन सुभान करें
3- हुकम इलम पहचान पिया की
मेहर बिना न होती है
दोऊ विध है इश्क इलम की
लज्जत रूहें लेती हैं
बेशक इलम को लेकर पहचान वो करें